मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 24 नवंबर 2017

भारत में छह दशक बाद ओलिंपिक्स ऑफ जियोसाइन्सेस, जामिया मिल्लिया भागीदार

भारत में लगभग छह दशक बाद अंतरराष्ट्रीय भू–वैज्ञानिक सम्मेलन यानी '' ओलिंपिक्स ऑफ जियोसाइन्सेस '' होने जा रहा है, जिसकी तैयारियों के बारे में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आज एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस सिलसिले में अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक संघ :आईयूजीएसः का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आया हुआ है। यह सम्मेलन 2020 में होगा जिसकी तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं।

जामिया मिल्लिया में इसकी तैयारी बैठक में आईयूजीएस के अध्यक्ष प्रो छिमिंग चेंग, महासचिव प्रो एस सी फिने और कोशाध्यक्ष प्रो एच कित्ज़ातो ने विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर तथा अन्य वरिष्ठ अध्यापकों एवं अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया। यह बैठक प्रो अहमद की अध्यक्षता में हुई जो खुद विख्यात भू वैज्ञानिक हैं।

'' ओलिंपिक्स ऑफ जियोसाइन्सेस '' नाम से विख्यात इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय भू–वैज्ञानिक सम्मेलन की मेज़बानी 2012 में भारत ने जीती थी। इससे पहले भारत में यह 'ओलिंपिक्स' 1964 में हुआ था। किसी देश को इसके आयोजन का दूसरी बार अवसर बहुत बिरले मिलता है।

इस सम्मेलन के आयोजन में खनिज एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी :आईएनएसएः और इसमें हिस्सा लेने वाले पड़ोसी सह मेज़बान, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका की विज्ञान अकादमियां मदद कर रही हैं।

जामिया मिल्लिया के वाइस चांसलर प्रो अहमद ने भरोसा दिलाया कि इस आयोजन में अन्य विभागों और संस्थाओं के साथ ही भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का पूर्ण समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि जामिया मिल्लिया का स्वयं का एक स्थापित भूगोलशास्त्र का विभाग है, वह भी इसमें पूर्ण योगदान देगा।

आईयूजीएस के अध्यक्ष प्रो छिमिंग चेंग ने कहा कि वह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर प्रभावित हैं।

इस 36 वें ओलिंपिक्स ऑफ जियोसाइन्सेस की संगठन समिति की अध्यक्षता पद्मश्री से सम्मानित प्रो वी पी डिमरी कर रहे हैं जो कि राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के निदेशक रह चुके हैं। समिति के महासचिव डा पी आर गोलानी हैं। वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति के चेयर के तौर पर प्रो तलत अहमद को नियुक्त किया गया है। सम्मेलन की तैयारियों से जुड़ी कई अन्य उप समितियों के चेयर के तौर पर विभिन्न भू वैज्ञानिकों को नियुक्त किया गया है।

यह सम्मेलन 2 से 8 मार्च, 2020 को होगा। ओलंपिक खेलों की तरह इसकी अगली मेज़बानी भी चार साल पहले चुनाव द्वारा घोषित कर दी जाती है, इसीलिए इसे '' ओलिंपिक्स ऑफ जियोसाइन्सेस '' नाम दिया गया है। 2012 में इस ओलंपिक का आयोजन आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में हुआ था।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर